गणित मेला

कक्षा 3 के लिए गणित की पाठ्यपुस्तक

© NCERT
not to be republished

0334

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

0334 – गणित मेला
कक्षा 3 के लिए गणित की पाठ्यपुस्तक

ISBN 978-93-5292-688-6

प्रथम संस्करण
मई 2024 वैशाख 1946
पुनर्मुद्रण
मार्च 2025 चैत्र 1946 (NTR)

PD NTR AS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2024

₹ 65.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा .....।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरू 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट : धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*एम.वी. श्रीनिवासन*
मुख्य संपादक	:	*बिज्ञान सुतार*
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी)	:	*जहान लाल*
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	*अमिताभ कुमार*
उत्पादन अधिकारी	:	*दीपक जैसवाल*

आवरण एवं चित्रांकन

एमार्ट्स
ग्रीन ट्री डिज़ाइनिंग स्टूडियो प्रा.लि.

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा संस्तुत शिक्षा का बुनियादी स्तर बच्चों के समग्र विकास के लिए, उन्हें न केवल हमारे देश की संस्कृति और संवैधानिक व्यवस्था से उद्भूत अमूल्य संस्कारों को आत्मसात करने का अपितु बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता अर्जित करने का भी अवलंबन देता है ताकि वे अधिक चुनौतीपूर्ण आरंभिक स्तर के लिए पूर्णरूपेण तैयार हो सकें।

आरंभिक स्तर, जो बुनियादी और मध्य स्तरों के बीच एक सेतु का काम करता है, विद्यालयी शिक्षा की वह तीन वर्षीय अवधि है, जिसमें कक्षा 3 से कक्षा 5 सम्मिलित हैं। यह कहना अनावश्यक होगा कि इस स्तर पर बच्चों को मिलने वाली शिक्षा, आवश्यक रूप से आधारभूत स्तर के शिक्षा उपागम पर आधारित होगी। खेल-आधारित, खोज और गतिविधि प्रेरित सीखने-सिखाने की विधियाँ सतत रहेंगी लेकिन इसी बीच इस स्तर पर बच्चों को पाठ्यपुस्तकों और कक्षाओं से अधिक औपचारिक रूप में परिचित कराया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों को कठिन स्थिति में डालना नहीं है अपितु उनमें पठन, लेखन एवं वाचन के साथ-साथ चित्रकला और संगीत इत्यादि के माध्यम से समग्र अधिगम और आत्म-अन्वेषण के लिए सभी विषयों के द्वारा आधार तैयार करना है।

अतः इस स्तर पर बच्चे शारीरिक शिक्षा, कला शिक्षा व पर्यावरण शिक्षा के साथ-साथ भाषाओं, गणित, आरंभिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान से भी परिचित होंगे। यहाँ यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बच्चों का संज्ञानात्मक-संवेदनात्मक तथा भौतिक-प्राणिक स्तरों पर समग्र विकास हो ताकि वे सहजता से मध्य स्तर में प्रवेश कर सकें।

कक्षा 3 के लिए वर्तमान पाठ्यपुस्तक *गणित मेला* इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु विकसित की गई है। इस प्रकार *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* की संस्तुतियों और विद्यालयी शिक्षा के लिए *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* का अक्षरशः अनुपालन करते हुए, यह पाठ्यपुस्तक बच्चों में अवधारणात्मक समझ, तार्किक चिंतन, रचनात्मकता, आधारभूत मूल्यों और प्रवृत्तियों के विकास पर समान बल देती है, जो इस स्तर की शिक्षा में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस उद्देश्य के साथ ही समावेशन, बहुभाषिकता, जेंडर समानता और सांस्कृतिक जुड़ाव के साथ-साथ सूचना एवं प्रौद्योगिकी का उचित एकीकरण और स्कूल-आधारित समग्र मूल्यांकन आदि समस्त विषयों से संयोजित होने वाले क्षेत्रों को पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित किया गया है। इन सबके साथ-साथ भरपूर रोचक विचारों और गतिविधियों से पूर्ण यह पुस्तक निश्चित रूप से बच्चों के लिए केवल रोचक ही नहीं होगी, अपितु वे इसे ध्यानपूर्वक पढ़ने में भी रुचि रखेंगे; इसमें सम्मिलित सभी विचारों को समझेंगे और इसमें सुझाई गई गतिविधियों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों के साथ मिलकर करेंगे। सहपाठियों के समूह में सीखना न केवल रोचक होता है, बल्कि यह बहुत महत्वपूर्ण भी है क्योंकि इससे संबंधित अन्य गतिविधियों का पता चलता

© NCERT not to be republished

है, जो सीखने की प्रक्रिया को आनंदमय और लाभप्रद बनाती हैं। इसलिए, इस पाठ्यपुस्तक में दी गई गतिविधियों से सीखकर, विद्यार्थी और शिक्षक दोनों, इस स्तर पर अपना अनुभव समृद्ध करने के लिए और भी बहुत सारी आनंददायक गतिविधियों को कर पाएँगे।

इसके साथ ही, यहाँ यह महत्वपूर्ण बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पाठ्यपुस्तक का शिक्षणशास्त्रीय पक्ष समझ, मौलिकता, तर्कशक्ति और निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित करता है। इस स्तर पर बच्चे स्वाभाविक रूप से उत्सुक होते हैं और उनके पास बहुत सारे प्रश्न होते हैं। इसलिए सीखने के मूल सिद्धांतों पर आधारित गतिविधियों की रूपरेखा बनाते समय उनकी उत्सुकता को संबोधित करने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। यद्यपि बुनियादी स्तर से खेल द्वारा सीखने की विधियाँ निरंतर रहेंगी, तथापि इस स्तर में शिक्षा और सीखने में सम्मिलित खिलौनों और खेलों की प्रकृति बदलेगी, अब यह खेल केवल आकर्षक होने के बजाय बच्चों को सीखने की प्रक्रिया से अधिक जोड़ सकेंगे।

इसी तरह, इस पुस्तक से सीखना अपने आप में महत्वपूर्ण है, साथ ही यह अपेक्षा है कि बच्चे इस विषय पर बहुत-सी अन्य पुस्तकें भी पढ़ेंगे और सीखेंगे। स्कूलों में पुस्तकालयों को इस संबंध में प्रावधान करने की आवश्यकता है। साथ ही, इस प्रकार से माता-पिता और शिक्षक उन्हें और अधिक सीखने में सहायता करेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि सीखने के लिए प्रभावी वातावरण यह सुनिश्चित कर सकता है कि बच्चे ध्यान, उत्साह और जुड़ाव के साथ सीखने के लिए प्रेरित रहें और जिज्ञासा तथा सृजनशीलता के विकास हेतु प्रोत्साहित रहें।

इस विश्वास के साथ, मैं यह पुस्तक आरंभिक स्तर के सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए अनुशंसित करता हूँ। मैं इस पाठ्यपुस्तक के विकास में सम्मिलित सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस उत्कृष्ट प्रयास को साकार किया है और आशा करता हूँ कि यह पुस्तक सभी संबंधित लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करेगी।

व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों को निरंतर परिष्कृत करने के प्रति समर्पित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् आपकी टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में सहायता ली जा सकती है।

दिनेश प्रसाद सकलानी

निदेशक

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली

16 अप्रैल 2024

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक के विषय में

कक्षा 3 के लिए *गणित मेला* पुस्तक हाल के दस्तावेजों, जैसे– राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन.सी.एफ.-एस.ई.) 2023 के आधार पर विकसित की गई है। इन सभी दस्तावेजों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चे बुनियादी संख्यात्मक कौशल और सोचने की क्षमता हासिल करें; गणितीय और तार्किक रूप से समस्याओं को हल करें; मात्राओं और कारणों के संबंध में अंतर्ज्ञान विकसित करें तथा आनंद, आश्चर्य और जिज्ञासा की भावना महसूस करें। आरंभिक स्तर विशेष रूप से संख्याओं, आकृतियों और स्थानिक संबंधों, माप और डेटा प्रबंधन, प्रक्रियात्मक कौशल और प्रवाह तथा कम्प्यूटेशनल सोच के बारे में वैचारिक अवधारणाओं के विकास पर केंद्रित है।

कक्षा 3 की यह पाठ्यपुस्तक शिक्षार्थियों को बुनियादी स्तर पर अपनी शिक्षा को मज़बूत करने और अधिक अमूर्त विचारों से निपटने की दिशा में प्रगति करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है। पुस्तक के अध्याय गणित के मूलभूत विचारों जैसे पूर्ण संख्याएँ और उनकी संक्रियाओं, भिन्नों, आकृतियों और स्थानिक संबंधों का परिचय, मापन (लंबाई, वजन, क्षमता, समय) और आँकड़ों के प्रबंधन का परिचय आदि पर आधारित हैं। यद्यपि प्रत्येक अध्याय की एक विशेष विषयवस्तु है (पहले के विचारों पर निर्माण करना और अन्य विचारों से संबंध बनाना), ये पूरी पुस्तक में बार-बार घटित होंगे।

हमारा दृढ़ विश्वास है कि युवा शिक्षार्थी विभिन्न तरीकों से तर्क करने, सोचने और समस्या सुलझाने में सक्षम हैं। इसलिए, पुस्तक विचारों और अलग-अलग विचारों के बीच संबंधों को पहचानने और उन पर ध्यान देने, कथनों के उदाहरण और प्रति-उदाहरण देने, गणितीय विचारों का उपयोग करके वस्तुओं का निर्माण करने, मापने और मात्रा निर्धारित करने, अनुमान लगाने और समस्याओं को हल करने के लिए कई अवसर प्रदान करती है। अध्यायों में कुछ स्थानों पर 'आइए खेलते हैं' के अंतर्गत अभ्यासों, खेलों और पहेलियों के माध्यम से अंकगणितीय कौशलों को निखारने के भी अवसर प्रदान किए गए हैं। खेलों और पहेलियों के पीछे एक अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य शिक्षार्थियों को तनावमुक्त और आनंदमय शिक्षा प्रदान करना है। इनमें से अधिकांश का मूल्यांकन करने की आवश्यकता नहीं है। कुछ कार्यों का उद्देश्य 'कम्प्यूटेशनल सोच' है जहाँ शिक्षार्थियों से पैटर्न को समझने और स्पष्ट करने तथा विभिन्न बाधाओं को पार करते हुए पूर्ण समाधान खोजने की अपेक्षा की जाती है।

हमारा यह भी मानना है कि शिक्षार्थियों को गणित के प्रति रुचि विकसित करनी चाहिए, न कि इससे डरना चाहिए। इस पाठ्यपुस्तक के अध्यायों में कई मनोरंजक गतिविधियाँ, कार्य, खेल और पहेलियाँ दी गई हैं जो बच्चों के सहज ज्ञान और आस-पास की दुनिया में उनके अनुभवों पर आधारित हैं। इन्हें अध्यायों में कई स्थानों पर 'आइए करते हैं' के अंतर्गत दिया गया है। इनका उपयोग कभी-कभी

© NCERT not to be republished

अवधारणा में प्रवेश करने और कभी-कभी विचारों को समेकित करने के अवसर प्रदान करने हेतु किया जाता है। अध्यायों में दी गई कहानियों को विविध चित्रांकनों के साथ दिया गया है, जो इन अध्यायों में विद्यार्थियों को दिए गए कामों से भी अभिन्न रूप से जुड़े हैं। हमें उम्मीद है कि यह शिक्षार्थियों को चित्र पढ़ने और महत्वपूर्ण गणितीय विचारों को विकसित करने के लिए उनका उपयोग करने में समर्थ बनाएगा। यद्यपि अध्यायों में उपयुक्त गणितीय शब्दावली और सोच को संप्रेषित करने के तरीकों को उदाहरणों के माध्यम से दिखाया गया है, भाषाई निर्देशों और स्पष्टीकरण को न्यूनतम रखा गया है ताकि शिक्षार्थी पुस्तक को पढ़ सकें और उसका अर्थ समझ सकें।

गणित, ज्ञान का एक एकीकृत निकाय है जिसमें विचारों का एक संबद्ध और सुसंगत समूह होता है। इसे आम तौर पर साझा की गई धारणाओं पर तार्किक रूप से बनाया जा सकता है। गणितीय सोच और तर्क गणित सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यह पुस्तक शिक्षार्थियों को गणितीय नियमों और प्रक्रियाओं को रटकर याद करने के उन तरीकों से दूर ले जाने का प्रयास करती है जो शिक्षार्थियों की जिज्ञासा को खत्म करते हैं और उन पर बोझ डालते हैं। इसके विपरीत यह शिक्षार्थियों को महत्वपूर्ण गणितीय विचारों का पता लगाने और उन्हें खोजने के लिए प्रेरित करती है। पुस्तक में विभिन्न स्थानों पर आए 'आइए सोचते हैं', 'आइए पता लगाएँ' और 'आइए चर्चा करते हैं' नामक अनुभागों का उद्देश्य शिक्षार्थियों को अपनी सोच का कारण जानने के प्रति उत्सुक रखना है। इससे उन्हें कारण और अंतर्दृष्टि मिलेगी जिसका उपयोग विचारों को याद रखने और उन्हें लचीले ढंग और रचनात्मक रूप से लागू करके आगे सीखने को आसान बनाने के लिए किया जा सकता है। गणित की इन प्रक्रियाओं से जुड़ना महत्वपूर्ण है ताकि शिक्षार्थी आत्मविश्वास से और बिना किसी डर और चिंता के नियमित गणितीय समस्याओं से आगे बढ़ सकें। हम आशा करते हैं कि सावधानीपूर्वक चुनी गई शिक्षण गतिविधियाँ उन्हें विचारों को समझने, समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित करने, इस प्रक्रिया में आश्चर्य और आनंद का अनुभव करने और गणित की दुनिया के बारे में उत्सुक होने में मदद करेंगी।

हमारा मानना है कि बच्चों के लिए समस्याओं पर काम करने और उनके समाधान और विचारों को साझा करने के लिए उपलब्ध समय एन.ई.पी. 2020 और एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। पुस्तक में उपयुक्त गतिविधियों एवं अनुभवों के माध्यम से (कक्षा और घर व उसके आस-पास से संबंधित) गणितीय विचारों के विकास हेतु कई सुझाव दिए गए हैं। हमारे बच्चों के लिए सीखने की बदलती परिस्थितियों में शिक्षकों और माता-पिता का समर्थन एक बेहतर और अधिक आत्मविश्वासी राष्ट्र के सपनों को हासिल करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा।

यह पुस्तक शिक्षार्थियों के लिए काम करने, उनकी सोच को विकसित करने और संप्रेषित करने के लिए सरल, सस्ती, ठोस सामग्री बनाने की भी सलाह देती है। पुस्तक के अंत में अध्यायों में दिए गए कुछ कार्यों के लिए अधिगम सामग्री पत्रक भी दिए गए हैं। गतिविधियों और सामग्रियों के लिए शिक्षण संकेत में कुछ और विचार भी दिए गए हैं। पुस्तक के विभिन्न अध्याय स्थिति को समझने और आगे की रणनीति बनाने के लिए सामग्री के उपयोग से लेकर चित्रों के उपयोग और योजनाबद्ध आरेख बनाने तक के क्रमिक विकास को भी दर्शाते हैं। पुस्तक सामग्रियों और चित्रों का उपयोग करके

© NCERT not to be republished

विचारों के लिए मॉडल बनाने का प्रयास करती है ताकि शिक्षार्थी स्वतंत्र रूप से अपनी सोच के लिए उनका उपयोग कर सकें। हम शिक्षकों और अभिभावकों से ईमानदारी से आग्रह करेंगे कि वे शिक्षण हेतु पुस्तक में सुझाए गए विचारों के अनुक्रम का उपयोग करें और नियमों व प्रक्रियाओं में जल्दबाजी न करें। जब बच्चों में बेहतर समझ विकसित होगी, तो वे नियमों और प्रक्रियाओं को समझने की बेहतर स्थिति में होंगे। इसी तरह की देखभाल माता-पिता और बड़े भाई-बहनों को भी करनी होगी जो इस पुस्तक के माध्यम से बच्चों को सीखने में मदद कर सकते हैं। पुस्तक में दिए गए 'शिक्षण संकेत' बच्चे की शिक्षा को उपयुक्त तरीके से बढ़ाने में शिक्षकों और अभिभावकों के लिए सहायक होंगे।

पुस्तक में दी गई गतिविधियों और कार्यों के लिए यह भी आवश्यक है कि बच्चे आपस में बात करें और अपने विचारों पर चर्चा करें। जिस कक्षा में शिक्षार्थियों के विचारों का स्वागत और सम्मान होता है, वहाँ सीखने में उल्लेखनीय सुधार होगा। ऐसे में शिक्षार्थी सोचने और विचारों का उपयोग करने के विभिन्न तरीकों और वैकल्पिक समाधानों को देखेंगे जिससे उन्हें समय के साथ बेहतर और स्वतंत्र समाधान प्राप्त होंगे। उन्हें एक-दूसरे के समाधानों की जाँच करने और गणितीय भाषा, प्रतीकों और प्रक्रियाओं के साथ एक सहज प्रवाह विकसित करने के अवसर मिलेंगे। यह शिक्षक के लिए भी सीखने के बेहतर आकलन के रूप में काम करेगा और उन्हें प्रतिपुष्टि (फ़ीडबैक) प्रदान करेगा। पुस्तक में दिए गए अभ्यास इस बात के भी उदाहरण हैं कि शिक्षार्थियों का मूल्यांकन कैसे किया जा सकता है। मूल्यांकन कई रूपों में किया जाना चाहिए, जैसे– सामग्री और चित्रों के उपयोग, समस्या स्थितियों और बुनियादी समस्याओं, गतिविधियों, वस्तुओं के निर्माण और समाधानों को साझा करने और समझाने के माध्यम से। यह पुस्तक अनुकूली मूल्यांकन, सीखने के लिए मूल्यांकन और बच्चे के सीखने एवं विभिन्न गतिविधियों में लगे होने के दौरान सीखने के रूप में मूल्यांकन के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। जब शिक्षार्थी अपने विचारों पर चर्चा कर रहा हो, पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहा हो और उत्तर के लिए तर्क बता रहा हो, तो शिक्षक अपनी टिप्पणियों को नोट कर सकते हैं। इस रिकॉर्ड को शिक्षार्थी के पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। पुस्तक में सभी अवधारणाओं को कुछ कागज-कलम कार्यों (प्रश्नों, शब्द समस्याओं और परियोजनाओं) के साथ समाप्त किया गया है जिन्हें बच्चा कक्षा में या घर पर पूरा कर सकता है। ऐसे कार्य लिखने का अभ्यास करने और अपनी सोच को एक कागज पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करते हैं।

आने वाले समय में, हम शिक्षकों और शिक्षार्थियों को वीडियो, अभ्यास कार्यपत्रकों (वर्कशीट) और ऑनलाइन स्रोतों के लिंक के रूप में और अधिक संसाधन उपलब्ध कराएँगे।

हमें उम्मीद है कि पुस्तक सभी के लिए आनंददायक होगी और सीखने-सिखाने की बेहतर स्थिति पैदा करेगी।

अनूप कुमार राजपूत
आचार्य, प्रारंभिक शिक्षा विभाग
रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

गांधी जी का जंतर

तुम्हें एक जंतर देता हूँ। जब भी तुम्हें संदेह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आज़माओ :

जो सबसे गरीब और कमज़ोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शक्ल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुँचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानी क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा, जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा संदेह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

© NCERT not to be republished

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.)

महेश चंद्र पंत, *कुलाधिपति*, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (**अध्यक्ष**)

मञ्जुल भार्गव, *आचार्य*, प्रिंसटन विश्वविद्यालय (**सह अध्यक्ष**)

सुधा मूर्ति, प्रतिष्ठित लेखिका एवं शिक्षाविद

बिबेक देबरॉय, *अध्यक्ष*, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.-पी.एम.)

शेखर मांडे, *पूर्व महानिदेशक*, सी.एस.आई.आर. एवं *प्रतिष्ठित प्रोफेसर,* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

सुजाता रामदोरई, *आचार्य*, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा

शंकर महादेवन, संगीत विशेषज्ञ, मुंबई

यू. विमल कुमार, *निदेशक*, प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी, बेंगलुरू

मिशेल डैनिनो, *विज़िटिंग आचार्य*, आई.आई.टी. गांधीनगर

सुरीना राजन, *आई.ए.एस.* (सेवानिवृत्त), हरियाणा एवं *पूर्व महानिदेशक*, एच.पी.ए.

चामू कृष्ण शास्त्री, *अध्यक्ष*, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय

संजीव सान्याल, *सदस्य*, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.-पी.एम.)

एम.डी. श्रीनिवास, *अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज़, चेन्नई

गजानन लोंढे, हेड, प्रोग्राम ऑफिस, एन.एस.टी.सी.

रेबिन छेत्री, *निदेशक*, एस.सी.ई.आर.टी., सिक्किम

प्रत्यूष कुमार मंडल, *आचार्य,* सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

दिनेश कुमार, *आचार्य,* योजना एवं अनुवीक्षण प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

कीर्ति कपूर, *आचार्य,* भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रंजना अरोड़ा, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, पाठ्यचर्या अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली (**सदस्य-सचिव**)

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समूह

मार्गदर्शन

महेश चंद्र पंत, *अध्यक्ष*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.) तथा *सदस्य*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह — आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली

मञ्जुल भार्गव, *सह अध्यक्ष*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति तथा *सदस्य*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह — आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली

सुनीति सनवाल, *प्रोफेसर* एवं *अध्यक्ष*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली तथा *सदस्य संयोजक*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह — आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प, नई दिल्ली

अध्यक्ष, उप-समूह (गणित)

राखी बनर्जी, *सह आचार्य*, अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय

सहयोग

अजय शर्मा, *सहायक आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

गरिमा पांडे, *शिक्षिका*, दिल्ली नगर निगम स्कूल, दिल्ली

गुंजन खुराना, *शोधकर्ता*, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

छवि कटारिया, *गणित शिक्षक*, टेक महिंद्रा फाउंडेशन

जसनीत कौर, *प्रवक्ता*, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा

धर्म प्रकाश, पूर्व *आचार्य*, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

निशा नेगी, *वरिष्ठ परामर्शदाता*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

पद्मप्रिया शिराली, *प्रधानाचार्य*, सह्याद्री स्कूल, पुणे

पार्वती भट्ट, *सहायक अध्यापक*, कर्नाटक पब्लिक स्कूल, उत्तरहल्ली, बेंगलुरु, कर्नाटक

पुष्पा थंत्री, *निदेशक-कार्यक्रम*, अक्षरा फाउंडेशन

मुकेश मालवीय, *अध्यापक शिक्षक*, मध्य प्रदेश

मुकुंद कुमार झा, *परामर्शदाता*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रितु गिरी, *प्राथमिक स्कूल शिक्षक*, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली

रुचि कुमार, *सहायक आचार्य*, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई

© NCERT not to be republished

शिवकुमार के.एम., *निदेशक*, शिक्षणशास्त्र और नवाचार (गणित), सीड2सैंपलिंग एजुकेशन फाउंडेशन, बेंगलुरु

श्वेता एस. नाइक, *वैज्ञानिक अधिकारी*, होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र, मुंबई

सुरेखा भार्गव, *सहायक अध्यापक* (सेवानिवृत्त), बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, नई दिल्ली

हनीत गाँधी, *आचार्य*, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

श्रवण एस.के., *मुख्य पाठ्यचर्या डिज़ाइनर* (गणित), सीड2सैंपलिंग एजुकेशन फाउंडेशन, बेंगलुरु

समीक्षक

अनुराग बेहर, *सी.ई.ओ.*, अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन तथा *सदस्य*, एन.ओ.सी.

मञ्जुल भार्गव, *आचार्य,* प्रिंसटन विश्वविद्यालय और *सह अध्यक्ष*, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति तथा *सदस्य*, समन्वयन समिति, पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह — आरंभिक स्तर, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

हिंदी रूपांतरण

भारती कुमारी, *प्रोजेक्ट मैनेजर*, श्री राम मॉडल स्कूल, नई दिल्ली

मुकुंद कुमार झा, *परामर्शदाता*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सदस्य-समन्वयक, उप-समूह (गणित)

अनूप कुमार राजपूत, *आचार्य*, प्रारंभिक शिक्षा विभाग एवं *अध्यक्ष*, प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों; पाठ्यचर्या क्षेत्र समूह — आरंभिक स्तर के सभी सदस्यों तथा अन्य अंत:संबंधी विषयों के लिए गठित पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के अध्यक्षों एवं सदस्यों के प्रति इस पुस्तक के निर्माण की प्रक्रिया में मार्गदर्शन एवं समीक्षा हेतु बहुमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, इस पाठ्यपुस्तक में जेंडर समेकन एवं समावेशन तथा कला शिक्षा आदि जैसे अंत:संबंधी विषयों की समीक्षा के लिए इंद्राणी भादुड़ी, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग; मोना यादव, *आचार्य,* जेंडर अध्ययन विभाग; विनय सिंह, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, विशेष आवश्यकता समूह शिक्षा विभाग; मिली रॉय, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, जेंडर अध्ययन विभाग; और ज्योत्सना तिवारी, *आचार्य* एवं *अध्यक्ष*, कला एवं सौंदर्यबोध शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. के प्रति आभार व्यक्त करती है।

इस पाठ्यपुस्तक के विकास में सहायता प्रदान करने के लिए परिषद्, श्वेता शर्मा, *टी.जी.टी., एस.डी.* एस.वी.एम. तलवाड़ा, पंजाब; नज़राना खान, *वरिष्ठ अनुसंधान सहयोगी* (एस.आर.ए.) और गज़ाला परवीन, *अनुसंधान सहयोगी* (आर.ए.), प्रारंभिक शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. के प्रयासों की सराहना करती है। परिषद्, इस पाठ्यपुस्तक के प्रारूपण, आवरण एवं चित्रांकन के लिए अचिन जैन, ग्रीन ट्री डिज़ाइनिंग स्टूडियो और संतोष मिश्रा, एमार्ट्स, दिल्ली के प्रति आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, इस पाठ्यपुस्तक को अंतिम रूप देने के लिए प्रकाशन प्रभाग के प्रति आभारी है। परिषद्, पाठ्यपुस्तक के संपादन के लिए अतुल मिश्रा, *संपादक* (संविदा) तथा पुस्तक को प्रकाशन हेतु अंतिम रूप से तैयार करने के लिए पवन कुमार बरियार, *प्रभारी*, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ और अजय कुमार प्रजापति *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा), प्रकाशन प्रभाग, रा.शै.अ.प्र.प. के प्रति आभार प्रकट करती है।

© NCERT not to be republished

राष्ट्र–गान

जन–गण–मन–अधिनायक, जय हे
भारत–भाग्य–विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़–उत्कल–बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे।
गाहे तव जय–गाथा।
जन–गण–मंगल–दायक जय हे
भारत–भाग्य–विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे!

हमारा राष्ट्र-गान रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा मूलत: बांग्ला भाषा में रचा गया था। भारत के राष्ट्र-गान के रूप में इसके हिंदी रूपांतरण का अंगीकार संविधान सभा द्वारा 24 जनवरी 1950 को किया गया।

© NCERT not to be republished

विषय-सूची

आमुख	*iii*
पाठ्यपुस्तक के विषय में	*v*
अध्याय 1 — नाम में क्या है?	1
अध्याय 2 — खिलौनों का आनंद	9
अध्याय 3 — दोहरा शतक	16
अध्याय 4 — नानी माँ के साथ छुट्टियाँ	29
अध्याय 5 — आकृतियों के साथ आनंद	44
अध्याय 6 — सैकड़ों का घर-1	64
अध्याय 7 — रक्षाबंधन	82
अध्याय 8 — उचित हिस्सा	107
अध्याय 9 — सैकड़ों का घर-2	117
अध्याय 10 — कक्षा उत्सव का आनंद	128
अध्याय 11 — भरना और उठाना	139
अध्याय 12 — लेन-देन	150
अध्याय 13 — समय-समय की बात	165
अध्याय 14 — सूरजकुंड मेला	177
अधिगम सामग्री पत्रक	192

© NCERT not to be republished

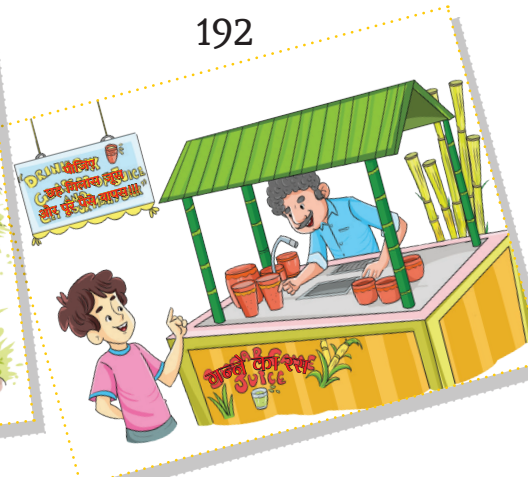

अगर आप ...

पढ़ाई एवं परीक्षा

निजी संबंधों

करियर

साथियों के दबाव

को लेकर किसी भी तरह के तनाव, चिंता, परेशानी, उदासी या उलझन में हैं, तो काउंसलर की मदद लें

कॉल करें
8448440632

राष्ट्रीय टोल-फ्री काउंसलिंग टेली-हेल्पलाइन
सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक
सप्ताह के प्रत्येक दिन

मनोदर्पण

कोविड-19 के प्रकोप के दौरान और उसके बाद विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु मनो-सामाजिक सहायता
(आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल)

www.https://manodarpan.education.gov.in

© NCERT not to be republished